पाठ १ मन के भोले-भाले बादल

कविता का सारांश

प्रस्तुत कविता मे कवि ने बादलों के अलग अलग रूपों का वर्णन किया है । प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कल्पना करते हुए कहते हैं कि बादलों के बाल बहुत घने और फैले हुए हैं । बादलों के गाल गुब्बारे जैसे फूले हुए हैं। बादलों के शरीर का रंग काला है। सभी बादल झूम-झूमकर आसमान में दौड़ लगा रहे हैं । कुछ बादलों का पेट बहुत बड़ा है जो जोकर जैसा दिखाई पड़ता है और कुछ बादलों की सूँड़ हाथी जैसी दिखाई देती है । कवि कहते हैं कि कुछ बादलो मे तो ऊँटों के समान कूबड़ दिखाई देता हैं और कुछ बादलो के तो परियों के जैसे पंख लगे दिखाई देते हैं । कभी कभी ये बादल शेरों के समान आपस में ही टकराते रहते हैं और कभी कभी तो गर्जना भी करने लगते हैं । कवि बादलो के बारे मे आगे कहते हैं कि कुछ बादल तूफान की तरह दिखाई देते हैं और कुछ बादल शैतान की तरह शरारती भी दिखाई देते हैं । कभी कभी ये बादल अपने थैलों से चुपके-चुपके पानी बरसाने लगते हैं और यह कभी भी किसी की बात नहीं सुनते हैं । कभी कभी ये बादल ढोल की तरह आवाज़ करते हुए छत के ऊपर पर आ जाते हैं और फिर अचानक से ऊपर उड़ जाते हैं । कभी-कभी ये बादल जिद्दी बनकर इतनी बरसात करते हैं कि नदी-नालों में बाढ़ तक आ जाती है । कवि को लगता है कि बादल अच्छे और मन के भोले-भाले होते हैं।

शब्दार्थ

दौड़ने - भागने

झब्बर - बड़े और फुलावदार

कूबड़ - ऊँट की पीठ

तूफानी - हलचल मचाने वाले

शैतानी - शरारत

आसमान - आकाश

चुपके - छिपकर

तोंद - बढ़ा हुआ पेट

मतवाला - मस्त रहने वाला

भोले-भाले - सीधे-सादे

कठिन शब्द

झब्बर

तोंद

गुब्बारे

कूबड़

टकराने

मतवाले

तूफानी

शैतानी

जिद्दी

विलोम शब्द

आसमान X जमीन

काले X सफ़ेद

मतवाले X शांत

आना X जाना

जिद्दी X सुलझा हुआ

भोले-भाले X तेज तर्रार

प्रश्न-अभ्यास

तुम्हरी समझ से

कभी-कभी जिद्दी बन करके

बाढ़ नदी-नालों मेर लाते

(क) बादल नदी-नालों में बाढ़ कैसे लाते होंगे?

उत्तर- जब बादल अधिक बारिश करते हैं तो ज़्यादा पानी बरसने के कारण नदी-नालों में पानी अधिक भर जाता है। बादल इस तरह नदी-नालों में बाढ़ लाते होंगे।

नहीं किसी की सुनते कुछ भी

ढोकल-ढोल बजाते होंगे?

(ख) बादल ढोल कैसे बजाते होंगे?

उत्तर- बादलों के बार-बार टकराने से तेज आवाज़ होती है ऐसा लगता है मानों ढोल बज रहा है।

कुछ तो लगते तूफानी

कुछ रह-रह करते शैतानी

(ग) बादल कैसी शैतानियाँ करते होंगे?

उत्तर- बादल कभी शान्त दिखाई देते हैं। कभी टकराकर ज़ोर-ज़ोर से गरजते हैं। कभी रिमझिम बारिश करते हैं। कभी तेज़ बारिश से नदी-नालों में बाढ़ ला देते हैं। बादल इसी प्रकार शैतानियाँ करते रहते हैं।

कैसा - कौन

	कैसा	कौन
सूरज-सी	_____	_____
चंदा-सा	_____	_____
हाथी-सा	_____	_____
जोकर-सा	_____	_____
परियों-सा	_____	_____
गुब्बारे-सा	_____	_____
ढोलक-सा	_____	_____

उत्तर-

	कैसा	कौन
सूरज-सी	चमकीली	थाली
चंदा-सा	गोरी	मुखड़ा
हाथी-सा	भारी-भरकम	आदमी
जोकर-सा	मोटी	नाक़
परियों-सा	सुन्दर	पंख
गुब्बारे-सा	फूला	पेट
ढोलक-सा	बजता	डिब्बा

कविता से आगे

(क) तूफान क्या होता है? बादलों को तूफानी क्यों कहा गया है?

उत्तर- बारिश के साथ तेज चलने वाली आँधी को तूफ़ान कहते हैं| बादल ही तेज आँधी और बारिश लाते हैं, इसीलिए उन्हें तूफानी बादल कहा गया है|

(ख) साल के किन-किन महीनों मैं ज़्यादा बादल छाते हैं?

उत्तर- जून और जुलाई में ज़्यादा बादल छाते हैं|

(ग) कविता में 'काले' बादलों की बात की गई है| क्या बादल सचमुच काले होते हैं?

उत्तर- कुछ बादल काले दिखाई देते हैं तो कुछ भूरे और सफ़ेद| लेकिन बादल सचमुच काले नहीं होते| वे तो पानी की भाप से बनी बूँदों से बने हुए होते हैं|

(घ) कक्षा में बातचीत करो और बताओ की बादल किन-किन रंगों के होते है|

उत्तर- बादल काले, भूरे और सफ़ेद रंगों के होते हैं| सुबह और शाम को वे लाल रंग के भी दिखाई देते हैं|

कैसे-कैसे बादल

(क) तरह-तरह के बादलों के चित्र बनाओ|

उत्तर-

काले-काले डरावने	गुब्बारे-से गलों वाले	हल्के-फुल्के सुहाने

(ख) कविता में बादलों को 'भोला' कहा गया है| इसके अलावा बादलों के लिए और कौन-कौन से शब्दों को इस्तेमाल किया गया है?

म _____ **जि** _____

शै _____ **तू** _____

उत्तर- मतवाले , जिद्दी , शैतानी , तूफानी

बारिश की आवाजें

कुछ अपने थैलों से चुपके

झर – झर – झर बरसाते पानी

पानी के बरसाने की आवाज़ है झर – झर – झर

पानी बरसाने की कुछ और आवाज़ें लिखो |

उत्तर-

टप-टप-टप , टिप-टिप-टिप

रिम-झिम रिम-झिम , घरर-घरर

चट-चट-चट , छप-छप-छप

छम-छम-छम , छर-छर-छर

कैसे-कैसे पेड़

बादलों की तरह पेड़ भी अलग – अलग आकार के होते हैं| कोई बरगद – सा फैला हुआ और कोई नारियल के पेड़ जैसा ऊँचा और सीधा|

अपने आस – पास अलग – अलग तरह के पेड़ देखो| तुम्हे उनमें कौन – कौन से आकार दिखाई देते हैं? सब मिलकर पेड़ों पर एक कविता भी तैयार करो|

उत्तर-

कोई पेड़ पीपल-सा विशाल है|

कोई निम्बू के पेड़-सा छोटा है|

कोई पेड़ बाँस जैसा लम्बा और पतला है|

कोई पेड़ बरगद-सा मोटा है|

कोई पेड़ नीम-सा घना है|

कोई पेड़ बबूल-सा टेढ़ा-मेढा है|